निश्चिन्तता

सामंजस्यता की स्थिति

निश्चिन्तता हिन्दी भाषा का शब्द है, जो किसी व्यक्ति के, स्वयं अपने साथ और अपने आस-पास के वातावरण के साथ सामंजस्यता की स्थिति में होने को दर्शाता है। श्रीगुरुमाई ने कहा कि सिद्धयोग पथ की वेबसाइट के लिए इस श्वेत-श्याम फ़ोटो गैलरी की रचना की जाए क्योंकि ये छवियाँ शाश्वतता की अनुभूति को जगाती हैं। गुरुमाई जी ने इस गैलरी को नाम दिया है — निश्चिन्तता।

गुरुमाई जी ने एक वृत्तान्त सुनाया कि अपनी बाल्यावस्था में जब वे भारत में थीं तब वे अक़्सर बड़े-बुज़ुर्गों से उनका हालचाल पूछतीं कि वे कैसे हैं। इस पर वे बुज़ुर्ग प्रायः अत्यन्त मधुर मुस्कान के साथ, अपने सिर को एक ओर कुछ झुकाकर और अपना हाथ उठाकर उत्तर देते, "मैं निश्चिन्त हूँ।" गुरुमाई जी बहुत आत्मीयता के साथ इसे याद करती हैं। इसका उन पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ा।

श्रीगुरुमाई की सिखावनियाँ हमें यही सिखाती हैं : प्रत्येक साधक में यह क्षमता है कि वह निश्चिन्त या चिन्तामुक्त रह सके — मानसिक व्यग्रता के न होने का अनुभव करना सम्भव है। यह गैलरी श्रीगुरुमाई की ओर से एक आमन्त्रण है कि हम निश्चिन्तता की, सामंजस्यता की स्थिति का अनुभव करें।

©२०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।